

POST GRADUATE PROGRAMME

1. At each of the Previous and Final Year Examination in a subject a candidate must obtain to pass (i) at least 36% of the aggregate marks in all the papers prescribed at the examination and (ii) at least 36% marks in practical, wherever prescribed, at the examination; provided that if a candidate fails to secure 25% marks in each individual paper of theory at any of the examination and also in the Dissertation; wherever prescribed, he/she shall be deemed to have failed at the examination, notwithstanding his/her having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for the examination. Division will be awarded at the end of the Final Examinations out of the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together as noted below. No Division will be awarded at the Previous Examination.

First Division	: 60 percent	} (of the total aggregate marks of Previous and final year taken together).
Second Division	: 48 percent	
Third Division	: 36 percent	

Note : The candidate is required to pass separately in theory and practicals.

2. Dissertation may be offered by regular students only in lieu of one paper of Final Year Examination as prescribed in the Syllabus of the subject concerned. Only such candidates will be permitted to offer dissertation who have secured at least 50% marks in the aggregate at the Previous examination and have also cleared all the non-credit papers wherever prescribed.

Note : Dissertation shall be type-written and shall be submitted in triplicate, so as to reach the Controller of Examinations at least two weeks before the commencement of Examination.

3. There shall be at least nine theory papers in Post-Graduate Examination, 4 in Previous and 5 in Final year examinations of 100 marks each, unless otherwise prescribed. The non-credit papers wherever prescribed will remain as such. The marks of these non-credit papers will not be counted for division but passing in the same is compulsory.
4. Each theory paper will be of three hours duration.
5. Wherever practicals are prescribed the scheme will be included in the syllabus.
6. A candidate who has completed a regular course of study for one academic year and passed M.A./M.Sc./M. Com. Previous Examination of the University shall be admitted / permitted to the Final Years class Examination for the degree of Master of Arts/ Master of Science/Master of Commerce

provided that he / she has passed in at least 50% of the papers at the previous examination by obtaining at least 36% marks in each such paper.

- (a) For reckoning 50% of the papers at the previous examination, practical will be included and one practical will be counted as one paper.
 - (b) Where the number of papers prescribed at the previous examination is an odd number it shall be increased by one for the purpose of reckoning 50% of the paper.
 - (c) Where a candidate fails for want of securing minimum aggregate marks but secures 36% marks in at least 50% of the papers, he/she will be exempted from re-appearing in those papers in which he/she has secured 36% marks.
 - (d) Where the candidate secures requisite minimum percentage in the aggregate of all the papers but fails for want of the requisite minimum percentage of marks prescribed for each individual paper he/she shall be exempted from re-appearing in such paper (s) in which he/she has secured at least 25% marks.
7. A candidate who is declared fail at the Final Year Examination for the degree of Master of Science/ Arts, Commerce shall be exempted from reappearing in a subsequent year in the following papers:

- (a) Where a candidate fails for want of securing the minimum percentage in the aggregate marks, he/she shall be exempted from re-appearing in such paper(s) Practical (s) Dissertation in which he/she has secured at least 36% marks; provided he/she is passing in at least 50% of the papers. (Here passing in each paper requires 36% marks).
- (b) Where a candidate secures the requisite minimum including dissertation wherever prescribed but fails for want of minimum percentage of marks prescribed for in each individual paper/ dissertation, he/she shall be exempted from reappearing in such paper(s) dissertation in which he/she has secured at least 25% marks provided he/she is passing in at least 50% of the paper (here passing in each paper requires 25% marks).

पाठ्यक्रम

एम.ए. संस्कृत

(सामान्य निर्देश)

1. एम.ए. परीक्षा पूर्वाह्न एवं उत्तराह्न में विभाजित होगी जिनमें कुल आठ प्रश्न-पत्र (चार पूर्वाह्न एवं चार उत्तराह्न) में होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों एवं तीन घंटे का होगा।
3. प्रश्न पत्रों में प्रश्न संस्कृत एवं हिन्दी में दिये जायेंगे पर परीक्षार्थी को अपने उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में देने की छूट होगी, यदि परीक्षक द्वारा कोई अन्यथा निर्देश न दिया गया हो।
4. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं किन्तु निबंध एवं अनुवाद के प्रश्न पत्र पर यह नियम लागू नहीं होगा।
5. एम.ए. उत्तराह्न की परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को 4 प्रश्न पत्र लेने होंगे, जिनमें से प्रथम प्रश्न पत्र 'काव्य, संस्कृत मूलक संस्कृति एवं निबंध' अनिवार्य हैं। शेष 3 प्रश्न पत्र ऐच्छिक वर्ग 'अ' एवं 'ब' में से किसी एक वर्ग से लिये जा सकते हैं। परीक्षार्थी उत्तराह्न में चुने गये ऐच्छिक वर्ग के किसी एक प्रश्न पत्र के स्थान पर विभाग की अनुमति से लघु शोध-निबंध ले सकेंगे जो उन्हें उत्तराह्न की परीक्षा से दो सप्ताह पूर्व अनिवार्यतः प्रस्तुत

करना होगा। यह लघु शोध-निबंध 100 अंकों का होगा। इसे केवल वही नियमित विद्यार्थी ले सकेगा जिसके एम.ए. पूर्वाह्न परीक्षा में प्राप्त अंकों का योग कम से कम 55 प्रतिशत होगा।

6. जिन परीक्षार्थियों ने संस्कृत एम0 ए0 परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वे उत्तीर्ण परीक्षा में लिये गये वर्ग के अतिरिक्त अन्य किसी वर्ग की परीक्षा नियमानुसार दे सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल अंक सूची ही प्रदान की जायेगी।
7. परीक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे देश की प्राचीन सांस्कृतिक केन्द्रों का साक्षात् ज्ञान प्राप्त करें जिसके लिए इन केन्द्रों की अपने अध्ययन काल में कम से कम एक शैक्षणिक यात्रा वांछनीय है।

पाठ्यक्रम का विवरण

एम0 ए0 पूर्वार्द्ध

प्रश्न पत्र प्रथम	:— वैदिक साहित्य
द्वितीय	:— भारतीय दर्शन
तृतीय	:— लौकिक काव्य, नाटक एवं काव्यशास्त्र
चतुर्थ	:— भाषा विज्ञान एवं व्याकरण

एम0 ए0 उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र प्रथम	:— काव्य, संस्कृतमूलकसंस्कृति एवं निबंध
-------------------	---

वर्ग (अ) (साहित्य)

प्रश्न पत्र द्वितीय	:— साहित्यशास्त्र
तृतीय	:— नाटक एवं नाट्यशास्त्र
चतुर्थ	:— काव्य (गद्य एवं पद्य)

वर्ग (ब) (दर्शन)

प्रश्न पत्र द्वितीय	:— वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन
तृतीय	:— सांख्य एवं योग दर्शन
चतुर्थ	:— न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

एम.ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2004—05

प्रथम प्रश्न पत्र :— वैदिक साहित्य

100 अंक

पाठ्यक्रम

1. ऋग्वैदिक सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)
2. बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय मात्र)
3. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)
4. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
5. संहिता पाठ से पद पाठ

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:—

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समानरूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ :-

प्रथम इकाई :-

10 अंक

ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त

सवितृ (1.35), रूद्र (2.33)

मण्डूक (7.103), पुरुष (10.90)

वरुण (7.86), कितव (10.34)

नासदीय (10.129) तथा उषस् (1.48)

द्वितीय इकाई :-

10 अंक

बृहदारण्यक उपनिषद् (तृतीय अध्याय)

तृतीय इकाई :-

10 अंक

निरुक्त (यास्क)- (प्रथम अध्याय)

चतुर्थ इकाई :-

10 अंक

वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

पंचम इकाई :-

10 अंक

संहिता पाठ से पदपाठ

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (व्याख्याएं) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा-

(क) ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) बृहदारण्यक उपनिषद् के (तृतीय अध्याय) से एक अवतरण की सप्रसंग संस्कृत भाषा में व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) निरुक्त के (प्रथम अध्याय) से दो अंशों की सामान्य व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) वैदिक साहित्य पर आधारित सामान्य व परिचयात्मक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 10 अंक

(ङ.) पाठ्यक्रम में निर्धारित ऋग्वेद के सूक्तों में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ पूछा जायेगा। 10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20-20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधार होंगे
20 अंक

1. ऋग्वेद का रचना काल, ऋग्वेद के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूक्तों के देवताओं का चरित्र, ऋग्वेद का धर्म और दर्शन तथा ऋग्वेद की भाषा की सामान्य विशेषताएं।

2. द्वितीय प्रश्न :- निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा –
20 अंक

बृहदारण्यक उपनिषद् की विषयवस्तु।

निरुक्त का सामान्य परिचय।

वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तकें

1. ऋग्भाष्यसंग्रह – डी.आर चानना
2. द न्यू वैदिक सेलेक्शन्स – एस0के0 तैलंग एवं बी0बी0चौबे
3. वैदिक व्याकरण ए0ए0मैकडानल – अनु0 डा0 सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग 1,2 – डा0 रामगोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति – पं0 बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा – एस0एन0 पाण्डेय एवं आर0बी0 जोशी

7. वैदिक देवशास्त्र – ए0ए0 मेकडानल– अनु0 डा0 सूर्यकान्त

8. वैदिक साहित्य – रामगोविन्द त्रिवेदी

9. ए वैदिक रीडर फोर स्टूडेंट्स – ए0ए0 मेकडानल

10. लेक्चर्स ऑन द ऋग्वेद – घाटे

11. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर –विन्टरनित्स

12. पोइट फिलोसोफर्स आफ द ऋग्वेद – सी.के.राजा

13. सलेक्शन्स फ्राम द ब्राहमणाज् एंड उपनिषद्स – आर.सी द्विवेदी

14. ऋग्वेदिक सियर्स – वी.जी.राहुरकर

15. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – डायसन

16. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृष्णन्

17. बृहदारण्यक उपनिषद् (शंकरभाष्यसहित)– गीता प्रेस, गोरखपुर

18. बृहदारण्यक उपनिषद्, –आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पूना

19. बृहदारण्यक उपनिषद्, –चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

एम.ए. पूर्वाद्ध संस्कृत परीक्षा 2004-05

द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय दर्शन

100 अंक

पाठ्यक्रम

1. तर्कभाषा — केशव मिश्रकृत
2. सांख्यकारिका — ईश्वरकृष्णकृत
3. वेदान्तसार — सदानन्दकृत

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है—

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण —

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयां

प्रथम इकाई —

10 अंक

तर्कभाषा का प्रमाणलक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान, तथा उपमान विवेचन।

द्वितीय इकाई —

10 अंक

तर्कभाषा का शब्द, अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रामाण्यवाद।

तृतीय इकाई —

10 अंक

सांख्यकारिका की 1-35 कारिकाएं

चतुर्थ इकाई —

10 अंक

सांख्यकारिका की 36-72 कारिकाएं

पंचम इकाई —

10 अंक

वेदान्तसार संपूर्ण।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा —

(क) तर्कभाषा के प्रमाण लक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान तथा उपमान खंडों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी।

10 अंक

(ख) तर्कभाषा के शब्द अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रमाण्यवाद प्रकरणों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी।

10 अंक

(ग) सांख्यकारिका 1-35 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी।

10 अंक

(घ) सांख्यकारिका के 36-72 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी।

10 अंक

(ङ) वेदान्तसासर में से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी।

10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20-20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे।

20 अंक

(1) तर्कभाषा में विवेचित विषय (अर्थात् प्रमाणलक्षण, त्रिविधकारण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अभाव, प्रमाण्यवाद)

(2) सांख्यकारिका में निरूपित विविध विषयों का समालोचनात्मक शैली में व्याख्यान (अर्थात् त्रिविधप्रमाण, सांख्य की प्रकृति, पुरुष, गुणस्वरूप, प्रकृति-पुरुषसंबंध, पुरुष-बहुत्व, सत्कार्यवाद आदि)।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे।

20 अंक

अनुबंधचतुष्टय, अधिकारी का लक्षण, अध्यारोप, अविद्या और उसके भेद, पंचीकरण, सृष्टिप्रक्रिया, अज्ञान का लक्षण एवं शक्तियां, आत्मा, तत्त्वमसि, अहं ब्रह्मास्मि महावाक्य, ईश्वर, अपवाद, जीवन्मुक्ति आदि।

सहायक पुस्तकें –

1. वेदान्तसार व्याख्या – डा० बद्रीनाथ शुक्ल
2. वेदान्तसार व्याख्या – डा० सत्यनारायण श्रीवास्तव
3. वेदान्तसार व्याख्या – डा० राममूर्ति शर्मा
4. सांख्यकारिका – डा० ब्रजमोहन चतुर्वेदी
5. सांख्यकारिका – डा० गजानन मुसलगांवकर
6. सांख्यकारिका – व्याख्या शिवनारायण शास्त्री
7. तर्कभाषा – व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल
8. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर
9. भारतीय दर्शन – डा० उमेश मिश्र
10. भारतीय दर्शन – डा० नन्दकिशोर देवराज
11. सांख्यसिद्धान्त – डा० उदयवीर शास्त्री
12. न्यायप्रमाणपरिष्कार – डा० अभेदानन्द

एम.ए. पूर्वाद्ध संस्कृत परीक्षा 2004-05

तृतीय प्रश्न पत्र : काव्य, नाटक एवं साहित्य शास्त्र

पूर्णांक 100

पाठ्यक्रम

1. मेघदूत – कालिदास
2. मुद्राराक्षस – विशाखदत्त
3. साहित्यदर्पण – विश्वनाथ-प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (1-29 कारिकापर्यन्त)
4. ध्वन्यालोक – आनन्दवर्धन
5. नाट्यशास्त्र – भरतमुनि (अध्याय प्रथम तथा द्वितीय)

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान भाव से पूछे जाएंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

- प्रथम इकाई – मेघदूत (कालिदासकृत)
- द्वितीय इकाई – मुद्राराक्षस नाटक (विशाखदत्तकृत)
- तृतीय इकाई – साहित्यदर्पण (विश्वनाथकृत) इसके प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद (1-29 कारिका पर्यन्त)
- चतुर्थ इकाई – नाट्यशास्त्र (भरतमुनिकृत) अध्याय प्रथम तथा द्वितीय मात्र।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाव)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (अर्थात् व्याख्याएं) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) मेघदूत के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) मुद्राराक्षस के श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) साहित्यदर्पण के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेदों (1-29 कारिका) में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्पसहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत से किसी एक कारिका की संस्कृत भाषा के माध्यम से व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ.) नाट्यशास्त्र के प्रथम तथा द्वितीय अध्याय की कारिकाओं में से किसी एक कारिका की व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20-20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। 20 अंक

(1) कालिदास की काव्य-कला की विशेषताएं, मेघदूत का मार्ग, मेघदूत एक गीतिकाव्य है- इस कथन की पुष्टि, मेघदूत का प्रकृति सौन्दर्य।

(2) मुद्राराक्षस की नाट्यकला की दृष्टि से समालोचना, मुद्राराक्षस के मुख्य पात्रों का चरित्र-चित्रण, विशाखदत्त की नाटककार की दृष्टि से समालोचना।

द्वितीय प्रश्न - निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर आधारित होगा। 20 अंक

(1) साहित्यदर्पण के निर्धारित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु।

(2) ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत के आधार पर ध्वनि की परिभाषा, विपक्षी मतों का खंडन, ध्वनि के पक्ष में युक्तियां-उदाहरण, ध्वनि काव्य भेद।

(3) नाट्यशास्त्र में विवेचित नाट्योत्पत्ति- विषयक विवरण, प्रेक्षागृह-विषयक विवेचना।

सहायक पुस्तकें :-

1. संस्कृत के संदेशकाव्य - रामकुमार आचार्य
2. संस्कृतकविदर्शन - भोलाशंकर व्यास
3. महाकविकालिदास - रमाशंकर तिवारी
4. मेघदूत-एक अध्ययन - वासुदेवशरण अग्रवाल
5. मेघदूत (सम्पा0) - एम0आर0काले
6. साहित्यदर्पण (सम्पा0) - पी0वी0काणे
7. साहित्य दर्पण (विमला टीका) - शालिग्राम शास्त्री
8. काव्यशास्त्र का इतिहास - पी0वी0काणे, अनु0 इन्द्रचन्द्र शास्त्री
9. अलंकारमीमांसा - डा0 रामचन्द्र द्विवेदी

एम.ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2004-05

चतुर्थ प्रश्न पत्र – भाषाविज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. भाषाविज्ञान (इसके अंतर्गत कुछ चुने हुए विषय)
2. कारकप्रकरण (सिद्धान्त-कौमुदी का)
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तद्धितप्रकरण-शैषिक पर्यन्त) तथा समास प्रकरण।
4. अनुवाद (हिन्दी व संस्कृत में)।

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है—

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण –

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई –

10 अंक

भाषा विज्ञान

इसके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है—

भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषयवस्तु एवं विभिन्न पद्धतियाँ, भाषा की परिभाषा, भाषा का स्वरूप तथा सामान्य विशेषताएं, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि-नियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि-नियम, भाषाओं का वर्गीकरण-(आकृतिमूलक एवं आनुवंशिक), आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत तथा अपभ्रंश के विशेष संदर्भ में), पाली, प्राकृत एवं संस्कृत भाषा की उत्पत्ति।

द्वितीय इकाई –

10 अंक

कारक प्रकरण (सिद्धान्त-कौमुदी से)

तृतीय इकाई –

10 अंक

लघुसिद्धान्त कौमुदी का तद्धित प्रकरण शैषिक पर्यन्त।

चतुर्थ इकाई –

10 अंक

लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण।

पंचम इकाई –

10 अंक

अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न शतप्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर विस्तार से देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा—

(क) भाषा विज्ञान के निर्धारित पाठ्यक्रम में से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछा जाएगा। 10 अंक

(ख) कारक प्रकरण (सिद्धान्त कौमुदी) से चार सूत्र अथवा वार्तिक देकर दो की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) तद्धितप्रकरण (लघुसिद्धान्त कौमुदी—शैषिक भाग पर्यन्त) चार शब्द देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी) से किन्ही चार समस्त-पदों को देकर सूत्र निर्देशपूर्वक दो की सिद्धि पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ.) हिन्दी भाषा में विकल्पसहित एक (लगभग दस वाक्यों वाला) अवतरण संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के लिये दिया जायेगा।

10 अंक

तृतीय खंड

निबन्धात्मक

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। प्रथम प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। ये प्रश्न 20-20 अंक वाले हैं।

प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत उपर्युक्त भाषाविज्ञान के विषय होंगे।

द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित व्यवस्था है—

(1) कारकसूत्रों अथवा वार्तिकों की व्याख्या कोई चार देकर दो की।

10 अंक

(2) तद्धित सूत्र (शैषिक पर्यन्त) व्याख्या कोई चार देकर दो की।

10 अंक

सहायक पुस्तकें —

भाषाविज्ञान की भूमिका — देवेन्द्रनाथ शर्मा

भाषाविज्ञान — भोलानाथ तिवारी

भाषाविज्ञान — मंगलदेव शास्त्री

आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका — डा० मोतीलाल गुप्त एवं रघुवीर प्रसाद भटनागर (राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर)

संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन—भोलाशंकर व्यास

संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय — डा० देवीदत्त शर्मा

कारकप्रकरण— व्याख्या श्रीधरानन्द शास्त्री

लघुसिद्धान्त कौमुदी—व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा

प्रौढरचनानुवादकौमुदी—कपिलदेव द्विवेदी

बृहदनुवादचन्द्रिका —चक्रधर नौटियाल हंस

अनुवादकला— चारुदेव शास्त्री

संस्कृतव्याकरण— कपिलदेव द्विवेदी

भाषाविज्ञानस्य रूपरेखा— पं० गिरिधरलाल शास्त्री

सिद्धान्तकौमुदी—द्वितीय भाग— पं० बालकृष्ण व्यास

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005—06

प्रथम प्रश्नपत्र : काव्य, संस्कृतमूलक संस्कृति एवं
निबंध

100 अंक

पाठ्यक्रम—

1. शिवराजविजय — (अंबिकादत्त व्यास) प्रथम विराम के प्रथम, द्वितीय निःश्वासमात्र
2. शिशुपालवध — (माघ) द्वितीय सर्ग मात्र।
3. संस्कृतमूलक संस्कृति — इसके अंतर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है— सामाजिक तथा धार्मिक परिप्रेक्ष्य में वैदिक, रामायण व महाभारतकालीन, मौर्ययुगीन व गुप्तकालीन संस्कृति।
4. निबंध — इसके अंतर्गत संस्कृत भाषा के माध्यम से पांच विषयों में से एक विषय पर निबंध लिखना होगा। निबंध के विषय सामान्यतया निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित होंगे —
 - वैदिक साहित्य
 - प्रमुख कवि एवं काव्य
 - संस्कृत भाषा
 - भारतीय संस्कृति
 - काव्यसिद्धान्त
 - षड्दर्शन (आत्मा, जगत् मोक्ष)

5. संस्कृत काव्यसाहित्य—सर्वेक्षण —

समस्त पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है :

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण—

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जाएंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयां

प्रथम इकाई —	शिवराजविजय
द्वितीय इकाई —	शिशुपालवध
तृतीय इकाई —	संस्कृतमूलकसंस्कृति
चतुर्थ इकाई —	निबंध (संस्कृत भाषा में)
पंचम इकाई —	संस्कृत काव्य साहित्य का सर्वेक्षण

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (व्याख्याएं) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना

होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से है—

(क) शिवराजविजय के (प्रथम विराम के प्रथम एवं द्वितीय निःश्वासों से) किसी एक अवतरण की विकल्पसहित सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी।

10 अंक

(ख) शिशुपालवध के (द्वितीय सर्ग) से किसी एक श्लोक की विकल्पसहित सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी।

10 अंक

(ग) संस्कृतमूलक संस्कृति के निर्धारित पाठ्यक्रम के अंतर्गत किसी एक विषय पर विकल्प देकर प्रश्न पूछा जायेगा।

10 अंक

(घ) निर्धारित विषयों के अंतर्गत एक निबंध संस्कृत भाषा के माध्यम से लिखने के लिए कहा जायेगा। इसके लिए विकल्प सहित कुल पांच विषय दिये जायेंगे एवं भारतीय संस्कृति, काव्यसिद्धान्त, षड्दर्शन (आत्मा, जगत्, मोक्ष आदि)

10 अंक

(ङ) संस्कृत के प्रसिद्ध कवियों अथवा काव्यों में से किसी एक का परिचय विकल्प के साथ पूछा जायेगा।

10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्नों (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20—20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे—

1. शिवराजविजय के (निर्धारित पाठ्यक्रम के अंतर्गत) मुख्य पात्रों का चरित्र, चित्रण, शिवराजविजय की कथावस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिवराजविजय की भाषा शैली आदि।

2. शिशुपालवध के (निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बद्ध) मुख्य पात्रों का चरित्र चित्रण, कथावस्तु की समालोचनात्मक समीक्षा, शिशुपालवध की भाषा-शैली, काव्य पक्ष आदि की विशेषताएं आदि।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे—

भारतीय संस्कृति की सामान्य रूपरेखा, भारतीय संस्कृति की सामान्य विशेषताएं, भारतीय संस्कृति का महत्व, वैदिक काल, रामायण, महाभारतकाल, मौर्ययुग, गुप्त युग आदि की दृष्टि से संस्कृत काव्यों का परिचय एवं समीक्षा।

सहायक पुस्तकें

अम्बिकादत्त व्यास— एक अध्ययन—कृष्णकुमार

संस्कृतकविदर्शन—भोलाशंकर व्यास

संस्कृत साहित्य का इतिहास— कीथ, अनुमंगलदेव शास्त्री

महाकवि माघ— डा० मनमोहन शर्मा

ए हिस्ट्री ऑफ क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर — एस०के० डे० एंड दासगुप्ता

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005—06

वर्ग 'अ'

100 अंक

द्वितीय प्रश्न पत्र :- साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम —

काव्यप्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास तक एवं अष्टम उल्लास)

बक्रोक्तिजीवित (प्रथम उन्मेष मात्र)

अलंकारशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण

समग्र पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ —

प्रथम इकाई — काव्य प्रकाश— 1—2 उल्लास

द्वितीय इकाई — काव्य प्रकाश— 3—4 उल्लास

तृतीय इकाई — काव्य प्रकाश— 5—6, 8 उल्लास

चतुर्थ इकाई — बक्रोक्तिजीवित (कुन्तक) प्रथम उन्मेष मात्र

पंचम इकाई — अलंकारशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (व्याख्याएं) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है।

(क) काव्य प्रकाश के प्रथम तथा द्वितीय उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी।

10 अंक

(ख) काव्य प्रकाश के तृतीय तथा चतुर्थ उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी।

10 अंक

(ग) काव्यप्रकाश के 5, 6 तथा 8 उल्लासों में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी।

10 अंक

(घ) वक्रोक्तिजीवित के प्रथम उन्मेष से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जाएगी।

10 अंक

(ड.) काव्यशास्त्र के किसी एक ग्रन्थ अथवा आचार्य का सामान्य परिचय विकल्पसहित पूछा जाएगा।

10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग)

40 अंक

इस खंड के अंतर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20-20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे—
20 अंक

काव्यप्रकाश में विवेचित विषयवस्तु—काव्यप्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य लक्षण, लक्षणा, व्यंजना, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनिभेद, गुणीभूतव्यंग्य, रस, गुण आदि। काव्यप्रकाश की सामान्य समालोचना, मम्मट का योगदान, काव्यप्रकाश का महत्व।

उक्त खंड के द्वितीय प्रश्न के अंतर्गत निम्न बिन्दु आधार स्वरूप होंगे—
20 अंक

वक्रोक्तिजीवित का महत्व, वक्रोक्तिजीवितकार का योगदान, परिचय, वक्रोक्तिजीवित की विषयवस्तु, काव्यशास्त्र के विभिन्न समुदाय के प्रमुख आचार्यों अथवा ग्रन्थों का मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें—

काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) – वामनाचार्य झलकीकर

ध्वन्यालोक (लोचन एवं बालप्रिया टीका सहित) सम्पा० पं० पट्टाभिराम शास्त्री

ध्वन्यालोक : हिन्दी व्याख्या – आचार्य विश्वेश्वर

आनन्दवर्धन – डा० रेवाप्रसाद द्विवेदी

भारतीय साहित्यशास्त्र – जी०टी० देशपाण्डे

भारतीय साहित्यशास्त्र भाग 1-2— पं० बलदेव उपाध्याय

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005—2006

“वर्ग अ – साहित्य”

तृतीय प्रश्नपत्र : नाटक एवं नाट्यशास्त्र

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. उत्तररामचरित – भवभूति
2. नाट्यशास्त्र – (षष्ठ अध्याय मात्र) – भरतमुनि
3. दशरूपक – (प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश मात्र) धनंजय।
4. नाटक एवं नाट्यशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

समग्र पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण –

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

प्रथम इकाई –

उत्तररामचरित नाटक (भवभूति)

1-3 अंक।

द्वितीय इकाई –

उत्तररामचरित (भवभूति) 4-7 अंक।

तृतीय इकाई –

नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) अभिनवभारती सहित) षष्ठ अध्याय।

चतुर्थ इकाई –

दशरूपक (धनंजय) प्रथम – द्वितीय प्रकाश मात्र।

पंचम इकाई –

नाटक एवं नाट्यशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिये 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) उत्तररामचरित के प्रथम तीन अंकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी। 10 अंक

(ख) उत्तररामचरित के 4 से 7 अंकों में से किसी एक श्लोक की विकल्पपूर्वक व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछी जायेगी।

10 अंक

(ग) नाट्यशास्त्र के षष्ठ अध्याय में से किसी एक कारिका की विकल्पसहित व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(घ) दशरूपक के प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश में से किसी एक कारिका की विकल्पपूर्वक व्याख्या पूछी जायेगी।

(ङ) संस्कृत नाटकों में से किसी एक का परिचय विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग)

40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिये 20 + 20 अंक निर्धारित है।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे – 20 अंक

1. उत्तर रामचरित नाटक की सामान्य समीक्षा, भवभूति की नाटककार की दृष्टि से समालोचना, उत्तररामचरित नाटक के पात्रों का चरित्र-चित्रण।
2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार-स्वरूप होंगे।

नाट्यशास्त्र में वर्णित रस-व्याख्या –

रस सूत्र के विभिन्न व्याख्याकारों (लोल्लट, शंकुक, नायक, अभिनवगुप्त) की समालोचना।

दशरूपक के प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश में वर्णित विषय-सामग्री का सामान्य विवेचन।

सहायक पुस्तकें :-

1. हिन्दी अभिनवभारती – आचार्य विश्वेश्वर
2. नाट्यशास्त्र – सम्पा. एवं व्याख्या श्री बाबूलाल शुक्ल, काशी हिन्दू वि.वि., वाराणासी
3. भरत और भारतीय नाट्यकला – सुरेन्द्र दीक्षित
4. भवभूति और उनकी नाट्यकला – डा. अयोध्याप्रसाद सिंह
5. महाकवि भवभूति – गंगासागर राय
6. भवभूति के नाटक – डा. ब्रजवल्लभ शर्मा
7. दशरूपक (धनंजय) – भोलाशंकर व्यास
8. दशरूपक – सम्पा. डा. रामजी उपाध्याय
9. दशरूपक – सम्पा. रमाशंकर त्रिपाठी
10. दशरूपक – सम्पा. बैजनाथ पांडेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11. भवभूति : वी.वी. मीराशी
12. भवभूति : आर. डी. करमारकर
13. **Observations on the Life & work of Bhavabhuti – R.G. Harshe**
14. संस्कृत नाटक : कीथ, ए.बी. अनु. उदयभानुसिंह
15. **Law & Practice of Sanskrit Drama by : S.N. Shastri**
16. **The Classical Drama of India, Henery W. wells**
17. **Uttararamacharita Ed. P.V. Kane**

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005–2006

“वर्ग अ : साहित्यशास्त्र”

चतुर्थ प्रश्नपत्र : काव्य (गद्य एवं पद्य)

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. कादम्बरी (कथामुख) – बाण
2. नैषधीयचरित (तृतीय सर्ग) – श्री हर्ष
3. विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग) – बिल्हण
4. कुमारसंभव (प्रथम सर्ग) – कालिदास
5. संस्कृत गद्य-पद्य-साहित्य-सर्वेक्षण

समस्त पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है।

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण –

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) –

10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये प्रश्न समस्त पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई – कादम्बरी (कथामुखपर्यन्त)

द्वितीय इकाई – नैषधीयचरित (तृतीय सर्ग मात्र)

तृतीय इकाई – विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग मात्र)

चतुर्थ इकाई – कुमारसंभव (प्रथम, द्वितीय सर्ग-पर्यन्त)

पंचम इकाई – संस्कृत गद्य-पद्य-साहित्य का सर्वेक्षण

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग) 50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पांच प्रश्न (व्याख्याएं) शत-प्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिये 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से किया गया है –

(क) कादम्बरी (कथामुख भाग) से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी। 10 अंक

(ख) नैषधीयचरित (तृतीय सर्ग) से एक श्लोक की विकल्पपूर्वक संस्कृत भाषा में व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(ग) विक्रमाङ्कदेवचरित (प्रथम सर्ग) से एक श्लोक की विकल्पपूर्वक सप्रसंग सटिप्पणी व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(घ) कुमार संभव (प्रथमसर्ग) से किसी एक श्लोक की विकल्प देकर सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(ङ) संस्कृत-गद्य एवं पद्य साहित्य से किसी एक कवि या कृति पर सामान्य परिचयात्मक लेख लिखने के लिये कहा जायेगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) 40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिये 20 + 20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे – 20 अंक

(1) बाण भट्ट की भाषा शैली, बाण भट्ट का बैदुष्य, महत्व तथा गद्य-लेखकों में उनका स्थान, उनके गद्य की विशेषताएं आदि। नैषधीयचरित का संस्कृत महाकाव्यों में स्थान, श्री हर्ष के कृतित्व का मूल्यांकन आदि।

(2) उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे – 20 अंक

विक्रमाङ्कदेवचरित की काव्यात्मक विशेषताएं, विक्रमाङ्क की समीक्षा, बिल्हण की प्रतिभा आदि का मूल्यांकन, कालिदास के काव्य की विशेषताएं, संस्कृत महाकाव्यों में उनका स्थान, कुमारसंभव में कवित्व, प्रकृतिचित्रण, संस्कृत साहित्य की प्रमुख कृतियों का समीक्षात्मक विवेचन।

सहायक पुस्तकें :-

1. कादम्बरी – एक सांस्कृतिक अनुशीलन-वासुदेव शरण अग्रवाल

2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन—अमरनाथ पांडेय
3. बाणजयन्तिनिबन्धावली – सम्पा. डा. श्रीधर वासुदेव सोहनी
4. बाण—आर.डी. कर्मारकर
5. बाणभट्ट—ए लिटरेरी स्टडी—डा. नीता शर्मा
6. नैषधपरिशीलन—चण्डिकाप्रसाद शुक्ल
7. विक्रमांकदेवचरित का साहित्यिक सर्वेक्षण—डा. प्रियतमचन्द्र
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास – कीथ, अनु. मंगलदेव शास्त्री
9. ए हिस्ट्री ऑफ क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर—दे एवं दासगुप्ता
10. संस्कृतसाहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय
11. संस्कृतवाङ्मय का विवेचनात्मक इतिहास – डा. सूर्यकान्त
12. संस्कृत महाकाव्य की परम्परा – डा. केशव मूलगांवकर
13. संस्कृतकविदर्शन – डा. भोलाशंकर व्यास
14. A Literary Study of the Naishadhiya Charita. of Shriharasha – A.N. Jani
15. Historical Mahakavyas in Sanskrit – Chandra Prabha

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005—2006

“ वर्ग – ब ”

द्वितीय प्रश्न पत्र : वेदान्त तथा मीमांसा दर्शन

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य : प्रथम अध्याय प्रथम पाद के 1-4 सूत्र (चतुः सूत्री)
1. द्वितीय अध्याय – द्वितीयपादमात्र
2. अर्थसंग्रह “लोगाक्षि भास्कर”

समग्र पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई –

ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य प्रथम अध्याय, प्रथमपाद के 1-4 सूत्र।

द्वितीय इकाई –

ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य ' द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के 1-27 सूत्र

तृतीय इकाई –

ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य – द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के 28–45 सूत्र

चतुर्थ इकाई –

अर्थसंग्रह “लौगाक्षि भास्कर” प्रारम्भ से विधिभागपर्यन्त

पंचम इकाई –

अर्थसंग्रह – मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –

प्रथम खण्ड “वस्तुनिष्ठात्मक भाग” 10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। ये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड “व्याख्यात्मक भाग” 50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत-प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है –

(क) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के 1–4 सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की संस्कृत में व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(ख) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के 1–27 सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शांकर भाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जायेगी।

(ग) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के 28–45 सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शांकरभाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(घ) अर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) में से कोई दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(ङ) अर्थसंग्रह में विवेचित विषयों में से कोई दो विषय देकर एक का विवेचन पूछा जायेगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) 40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इन दो प्रश्नों के क्रमशः 20 + 20 निर्धारित हैं।

1. उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के प्रथम अध्याय के प्रथमपाद के 1–4 सूत्र में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा। 20 अंक

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे –

शांकर वेदान्त की दृष्टि से सांख्य, कणाद (वैशेषिकमत), बौद्ध-सर्वास्तिवाद एवं वैनाशिक विज्ञानवादी, आर्हत (जैन), तटस्थ ईश्वर कारणवादी (तार्किक) मतों का खण्डन।

सहायक पुस्तकें –

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – व्या. स्वामी योगीन्द्रानन्द
2. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – व्या. स्वामी सत्यानन्द
3. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) – व्या. आचार्य विश्वेश्वर
4. सिद्धान्तबिन्दु – डा. बाबूलाल शर्मा
5. अद्वैतवेदान्त – डा. राममूर्ति शर्मा
6. शांकरोत्तरवेदान्त में मिथ्यात्वनिरूपण – डा. अभेदानन्द
7. अद्वैत एवं द्वैताद्वैत तत्त्वमीमांसा – डा. अभेदानन्द
8. **Philosophy of Advaita – T.M. P.Mahadevan**
9. **Advaita Vedanta – M.K. Venkata Ram Ayer**
10. **Indian Idealism – S.N. Das Gupta**
11. मीमांसादर्शन– वाचस्पति उपाध्याय
12. भारतीयदर्शन–प्रथम एवं द्वितीय भाग – डा. एस.एन. दासगुप्त
13. भारतीयदर्शन – प्रथम एवं द्वितीय भाग – डा. राधाकृष्णन्
14. भारतीयदर्शन–सम्पा. डा. एन.के. देवराज

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005–2006

वर्ग – ब (दर्शन)

तृतीय प्रश्न पत्र : सांख्य एवं योगदर्शन

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. सांख्यकारिका (तत्त्वकौमुदी सहित) प्रारम्भिक 30 कारिकाएँ मात्र।
2. योगसूत्र–पतंजलि (भोजवृत्ति सहित) प्रथम दो पाद मात्र।

समग्र पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई – सांख्यकारिका 1 से 10 कारिका

द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका 11 से 20 कारिका

तृतीय इकाई – सांख्यकारिका – 21 से 30 कारिका

चतुर्थ इकाई – योगसूत्र – प्रथम (समाधि) पाद

पंचम इकाई – योगसूत्र – द्वितीय (साधन) पाद

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन :-

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जायेंगे। वे सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्यायें) शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याख्या) की शब्द सीमा लगभग 250 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है—

(क) सांख्यकारिका की 1-10 कारिका में से दो कारिका देकर एक कारिका की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ख) सांख्यकारिका की 11 से 20 तक की कारिका में से दो कारिका देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) सांख्यकारिका की 21 से 30 कारिका में से दो कारिका देकर एक की संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) योगसूत्र के प्रथम पाद से दो सूत्र देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

(ङ) योगसूत्र के द्वितीय पाद से दो सूत्र देकर एक की व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खण्ड (विवेचनात्मक भाग)

40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इन दो प्रश्नों के क्रमशः 20 + 20 अंक निर्धारित हैं।

1. उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत सांख्यकारिका की 1-30 कारिका में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा। 20 अंक

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत योगसूत्र के प्रथम और द्वितीय पादों में वर्णित विषय से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जाएगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे —

योग का स्वरूप, चित्त का स्वरूप एवं वृत्तियां, चित्त की भूमियां, चित्त की अवस्थाएं, चित्त-निरोध के उपाय, समाधि, समाधि के भेद-प्रभेद, चित्त के अन्तराय, ईश्वर का लक्षण, चित्त एकाग्र करने के उपाय, अष्टांगयोग, चित्त की एकाग्रता से होने वाले लाभ।

सहायक पुस्तकें —

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी — डा. आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यकारिका — शिवनारायण शास्त्री
3. सांख्यसिद्धान्त — उदयवीर शास्त्री
4. सांख्यतत्त्वकौमुदी — डा. रमाशंकर त्रिपाठी

एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2005—2006

(वर्ग – ब)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : न्याय एवं वैशेषिक दर्शन

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. न्याय—सिद्धान्त—मुक्तावली (प्रथम खण्ड) – विश्वनाथ।
2. प्रशस्तपादभाष्य (साधर्म्य से लेकर परत्वापरत्व तक के अंश को छोड़कर समग्र)

समग्र पाठ्यक्रम पांच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ :—

प्रथम इकाई – न्यायसिद्धान्तमुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 22 तक

द्वितीय इकाई – न्यायसिद्धान्तमुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 23 से 46 तक

तृतीय इकाई – न्यायसिद्धान्तमुक्तावली : प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक

चतुर्थ इकाई – प्रशस्तपादभाष्य पूर्वार्द्ध (प्रारम्भ से मनः प्रकरण पर्यन्त)

पंचम इकाई – प्रशस्तपादभाष्य उत्तरार्द्ध (बुद्धि प्रकरण से अन्त तक)

प्रश्न पत्र का विस्तृत अंक विभाजन –

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग)

10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक दस प्रश्न पूछे जाएंगे। ये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जाएंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है –

(क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 1 से 22 कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में।
10 अंक

(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 23 से 47 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में।
10 अंक

(ग) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड की 47 से 65 तक की कारिकाओं में से दो कारिकाएँ देकर किसी एक की व्याख्या मुक्तावली के आलोक में।
10 अंक

(घ) प्रशस्तपादभाष्य के पूर्वार्द्ध भाग से कोई दो व्याख्येय अंश देकर एक की सप्रसंग संस्कृत में व्याख्या पूछी जाएगी।
10 अंक

(ड) प्रशस्तपादभाष्य के उत्तरार्द्ध भाग से कोई दो व्याख्येय अंश देकर एक ही सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग)

40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इन दो प्रश्नों के क्रमशः 20 + 20 अंक निर्धारित हैं।

1. उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे –

न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के प्रत्यक्ष खण्ड में विवेचित विषय—मंगलाचरण का प्रयोजन, ईश्वर—सिद्धि, पदार्थ—विभाग एवं स्वरूप, शक्ति और सादृश्य, पदार्थ का खण्डन, सामान्यनिरूपण एवं जातिबाधक, विशेष पदार्थ, समवाय पदार्थ, भेद सहित अभावनिरूपण, कारण लक्षणभेद सहित, अवयवी की सिद्धि, परमाणु की सिद्धि, शारीरात्मवाद का खण्डन, विज्ञानवाद का खण्डन, षोढासन्निकर्ष सहित प्रत्यक्ष निरूपण, अलौकिक सन्निकर्ष के भेद व लक्षण।

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे –

प्रशस्तपादभाष्य के निर्धारित भाग में से विवेचित विषय पृथिवी, जल, तेज, वायु निरूपण, सृष्टि—संहार—प्रक्रिया, आत्मा, अविद्या, विद्या, हेत्वाभास, कर्म, संसारापवर्ग, सामान्य—विशेष, समवाय।

सहायक पुस्तकें :-

1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली – ज्वालाप्रसाद गौड
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) – डा. धर्मन्द्रनाथ शास्त्री
3. भारतीय दर्शन न्याय – वैशेषिक – डा. धर्मन्द्रनाथ शास्त्री
4. भारतीयन्यायशास्त्र – डा. ब्रह्ममित्र अवस्थी
5. वैशेषिकदर्शन – डा. श्री नारायण मिश्र
6. प्रशस्तपादभाष्य – सम्पादक डा. श्री नारायण मिश्र

**Mohanlal Sukhadia University
Udaipur (Raj.)**

Syllabus

Scheme of Examination and Courses of Study

FACULTY OF HUMANITIES



M.A. SANSKRIT

Previous Examination : 2004-2005

Final Examination : 2005-2006

Edition : 2004

Price : Rs.20/-

Published by :
**Mohanlal Sukhadia University
Udaipur**

Printed at :
National Printers
124, Chetak Marg, Udaipur
Phone : 2523830, 2561030
"Offset House" Bhuwana
Phone : 2440994

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300

M.A. SANSKRIT - 2004 - 300